***सिंचाई विभाग***

***जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ***
उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश

# ***गोमती, तमशा, वरुणा, सई और अरेल नदियों को बनायें सदा नीरा***

# ***सरयू, कन्हर, बाण सागर, अर्जुन सहायक आदि राष्ट्रीय परियोजनाओं के समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कर, 17.798 लाख हे0 सिंचन क्षमता की अतिरिक्त करें वृद्धि***

# ***राजकीय नलकूपों पर ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित कर वन ड्रॉप मोर क्रॉप के संकल्प को करें साकार***

***धर्मपाल सिंह***

***लखनऊ : 02 फरवरी, 2018***

पौराणिक काल की पावन नदियाँ जो वर्तमान में अपना अस्तित्व खोती जा रहीं हैं। उनके पुर्नजीवीकरण हेतु भागीरथ प्रयास करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह बात उ0प्र0 के सिंचाई मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने मासिक समीक्षा बैठक में कही। सिंचाई मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गोमती, तमशा, सई, वरूणा और अरेल नदियों को सदा नीरा बनाने के लिए प्रभावी कार्य योजना ीघ्र ही तैयार की जाये। इसके अन्तर्गत इन नदियों के उदगम स्थल से ही जल स्रोतों से ही निगरानी कर उन्हें कारगर बनाया जाये। आपने कहा कि इस कार्य को व्यापक जन आन्दोलन के रूप में जन सहभागिता के आधार पर संचालित किया जाये। जिससे इन नदियों को अपना पूर्व का स्वरूप प्रदान किया जा सके। इसी क्रम में आपने कहा कि गोमती नदी की भव्यता और दिव्यता को विकसित करने के लिए इसकी व्यापक सफाई कराई जाये व ारदा व ारदा सहायक नहरों का पानी छोड़कर इसके प्रवाह को बढ़ाया जाये। साथ ही प्रकाश व्यावस्था को भी प्रारम्भ कराया जाये।

रा ट्रीय सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान सिंचाई मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन परियोजनाओं को समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण करें, जिससे की 17. 798 लाख हे0 की अतिरिक्त सिंचन क्षमता की वृद्धि हो और किसानों के जीवन में खुशहाली आये।

प्रमुख सचिव, सिंचाई श्री टी0 वैंकटेश ने बताया कि सिंचाई विभाग की रा ट्रीय/ महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की निरन्तर प्रगति हेतु विभागाध्यक्ष/ प्रमुख अभियन्ता को निर्देशित किया है कि वे प्रमुख अभियन्ता, परियोजना तथा मुख्य अभियन्ता, परिकल्प एवं ोध के मार्ग दर्शन में समय सीमा के अन्तर्गत कार्य को पूर्ण करायें। प्रमुख अभियन्ता/ विभागाध्यक्ष, श्री भूपेन्द्र ार्मा ने बताया कि सरयू, परियोजना में गैपों को समाप्त करने के लिए कार्यवाही प्रगति पर है और इस योजना में लगभग 3 लाख हे0 की अतिरिक्त सिंचन क्षमता की वृद्धि हो गयी है। इसी तरह बाण सागर योजना में भी 1 लाख हे0 की अतिरिक्त सिंचन क्षमता वर्तमान में बढ़ोत्तरी हुई है। प्रमुख अभियन्ता, परिकल्प एवं नियोजन श्री ऐ0के0 सिंह ने बताया राम गंगा बांध कालागण के विगत 10 व ाों से क्षतिग्रस्त टनल टी–1, टी–2 व बटर फ्लाई वाल्व एवं सिलिण्ड्रीकल गेट्स की मरम्मत कराकर बॉध को पुनजीर्वित किया गया। इसी तरह रामपुर की स्वार तहसील में नाहल नदी पर लगभग 100 व र्ा पुराने नाहल रेगुलेटर जो व र्ा 2002 से क्षतिग्रस्त था, का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है जो इसी व र्ा पूर्ण हो जायेगा और किसानों को समुचित मात्रा में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी।

सिंचाई मंत्री ने राजकीय नलकूपों पर ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित कर वन ड्रॉप मोर क्रॉप के संकल्प को साकार करने हेतु तुरंत कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। इस क्रम में प्रमुख अभियन्ता, यांत्रिक श्री बाल कृ ण मिश्र ने बताया कि प्रथम चरण में प्रत्येक जनपद में एक माडल के रूप में राजकीय नलकूप पर यह सिस्टम ुरू करने हेतु किसानों का चयन किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक में सिल्ट सफाई कार्य की समीक्षा के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आये कि अबकी बार सिल्ट सफाई अभियान में अपनी एक पहचान बनाई है और जहां व ाों से पानी नही पहुँच रहा था, उस क्षेत्रों में पानी पहुँचा है। इसके लिए किसानों ने सिंचाई मंत्री को पत्र लिखकर धन्यवाद दिया है।

बैठक में प्रमुख सचिव, सिंचाई एवं जल संसाधन एवं परती भूमि विकास टी0 वैंकटेश, संयुक्त सचिव सिंचाई, मुस्ताक अहमद, प्रमुख अभियन्ता/ विभागाध्यक्ष, भूपेन्द्र ार्मा, प्रमुख अभियन्ता, परिकल्प एवं नियोजन, अजय कुमार सिंह, प्रमुख अभियन्ता, यांत्रिक, बाल कृ ण मिश्र सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

***सम्पर्क सूत्रः मीडिया विशेज्ञ, फैक्ट मो0–9412205971***
**email-isbr27@gmail.com** ***फैक्स 0522–2237664***